अवढरदानी भोले शंकर आ कर पड़ा हु

हाथ सिर बढ़ कर तुम आज रखो,
अवढरदानी भोले शंकर आ कर पड़ा हु तेरे दर पर आकर मेरी लाज रखो,

भक्तो का तुम ने भाग्ये स्वारा,
देदी मुकति भव से तारा,
मेरे सिर पे भक्ति का ताज रखो,
अवढरदानी भोले शंकर आ कर पड़ा हु तेरे दर पर आकर मेरी लाज रखो,

करता हु भोले पूजा तेरी पूरी करदो ईशा मेरी,
मेरे जिमे सेवा का काज रखो,
अवढरदानी भोले शंकर आ कर पड़ा हु तेरे दर पर आकर मेरी लाज रखो,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/11729/title/avdhardani-bhole-shankar-aa-kar-pda-hu-tere-dar-par-aakar-meri-laaj-rakho

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |